



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 832]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 31, 2006/श्रावण 9, 1928

No. 832]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 31, 2006/SRAVANA 9, 1928

सीमाशुल्क आयुक्त का कार्यालय

अधिसूचना

कोचिन, 20 जुलाई, 2006

सं. 5/2006

का.आ. 1229(अ)—सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 45(1) के अन्तर्गत मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, पी. अय्यम पेरुमाल, सीमाशुल्क आयुक्त, कोचिन एतद्वारा कोचिन पोर्ट ट्रस्ट को कोचिन पत्तन में आने वाले और अधिसूचना सं. 4/2006 दिनांक 14-7-2006 के अनुसार सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 8(क) और धारा 8(ख) के अन्तर्गत अधिसूचित मंट्याचेरी हाल्ट (पुराने एफ.सी.आई. गोदाम स्थित स्थान) के पास वाले स्थान पर भंडारण किए जाने वाले आयातित लकड़ी के लट्टों को जब तक उक्त अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार और निम्नलिखित शर्तों के आधार पर गृह उपयोग के लिए अथवा भंडागारण के लिए अथवा जहाज लादान के लिए निकासी नहीं किया जाता तब तक के लिए अभिरक्षक नियुक्त करता हूँ।

1. आयात के प्रयोजन के लिए माल के अभिरक्षक को सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के सभी प्रावधानों को विशेषकर सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 45(2) के साथ इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किए जाने वाले नियमों और विनियमों का पालन करना होगा।
2. अभिरक्षक उचित प्राप्ति, संचालन, भंडारण के लिए उत्तरदायी होंगे और आगमन के बाद और निकासी से पहले नुकसान के लिए जवाबदेयी होंगे। वे ऐसे सभी माल के उचित रिकॉर्ड रखेंगे जिसमें सीमाशुल्क विभाग की अनुमति से निकासी किए गए माल अथवा धारा 48 के अन्तर्गत अथवा अन्यथा निकासी किए गए माल भी शामिल हैं।
3. यदि कोई आयातित माल सीमाशुल्क क्षेत्र में उतारने के बाद अभिरक्षक की अभिरक्षा में रहने के दौरान चोरी हो जाता है या नष्ट हो जाता है, तब सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 45(3) के प्रावधानों के अन्तर्गत वे ऐसे चोरी हुए माल के लिए शुल्क देने के लिए बाध्य होंगे।
4. आयातित माल, जिसे गृह उपयोग के लिए या भंडागारण करने के लिए या जहाज लादान के लिए उतारने के 30 दिनों के भीतर निकासी नहीं किया जाता अथवा उचित अधिकारी द्वारा अनुमति दी गई आगे की अवधि के भीतर अथवा सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 23(2) में दिए गए अनुसार आयातक अपना स्वामित्व खो नहीं देता, ऐसे माल को सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 48 के प्रावधानों के अन्तर्गत अभिरक्षक द्वारा सीमाशुल्क के उचित अधिकारी की अनुमति लिए बिना नहीं बेचेंगे।

5. अभिरक्षक माल को चढ़ाने/उतारने/भंडागारण करने के लिए सुरक्षित, अभिरक्षित और विशाल स्थान उपलब्ध करावेंगे।
6. अभिरक्षक अधिसूचित क्षेत्र में माल के संचालन करने के लिए पर्याप्त आधुनिक उपकरण चालू स्थिति में उपलब्ध करावेंगे।
7. सीमाशुल्क आयुक्त, कोचिन की सहमति लिए बिना सीमाशुल्क क्षेत्र की योजना में कोई परिवर्तन नहीं करेंगे।
8. व्यवस्था की पूर्व मंजूरी सीमाशुल्क आयुक्त से लेने की शर्तों के आधार पर सीमाशुल्क क्षेत्र की सुरक्षा का उत्तरदायित्व अभिरक्षक का होगा। सुरक्षा का व्यय अभिरक्षक ही वहन करेंगे।
9. अभिरक्षक निकासी के स्थान पर जब भी आवश्यक हो, सीमाशुल्क विभाग को सजा हुआ मुफ्त कार्यालय स्थान उपलब्ध करावेंगे।
10. अभिरक्षक सीमाशुल्क अधिनियम या कोई अन्य अधिनियम के तहत सीमाशुल्क विभाग द्वारा रोके गए माल के लिए प्रभावी समय में कोई किराया/विलंब शुल्क नहीं लगावेंगे। फिर भी, सीमाशुल्क विभाग जन्ति के बाद माल का स्वामित्व सरकार में निहित होने के बाद अभिरक्षक को किराया अदा करेंगे। ऐसे माल के किराये का दर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग अथवा स्थानीय राजस्व अथवा किराया नियंत्रण प्राधिकारी के सलाह से सीमाशुल्क आयुक्त निर्धारित करेंगे।
11. यदि अभिरक्षक सीमाशुल्क क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले या सीमाशुल्क क्षेत्र से जुड़े किसी भी कार्यकलाप को पुनः भाड़े पर उठाना चाहते हैं तो उसके लिए सीमाशुल्क आयुक्त की पूर्व अनुमति लेकर करनी होगी और उक्त एजेंसी के किसी भी चूक अथवा कार्य के लिए अभिरक्षक उत्तरदायी होंगे।
12. नियुक्ति की अवधि आरंभ में 5 वर्ष के लिए होगी और सीमाशुल्क आयुक्त की सन्तोष पर निर्भर होगी। विनिर्दिष्टीकरण देने और अभिरक्षक को अपना मामला प्रस्तुत करने के लिए अवसर देने के बाद नियुक्ति को किसी भी समय समाप्त करने के लिए सीमाशुल्क आयुक्त को अधिकार होगा। इसके बाद प्रत्येक पांच वर्ष में एक बार नियुक्ति की समीक्षा की जाएगी।

[फा. सं. एस. 25/187/2005-आई एंड वी-कम.]

पी. अय्यम पेरुमाल, आयुक्त

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF CUSTOMS

NOTIFICATION

Cochin, the 20th July, 2006

No. 5/2006

S.O. 1229(E).—In exercise of the powers conferred on me under Section 45(1) of the Customs Act, 1962, I, P. Ayyam Perumal, Commissioner of Customs, Cochin, hereby appoint Cochin Port Trust to be the custodian of imported timber logs arrived at Cochin Port and stored in the land near Mattancherry Halt (Old FCI Godown situated area) as notified under Section 8(a) and Section 8(b) of Customs Act, 1962 *vide* Notification No. 4/2006 dated 14-7-2006 until they are cleared for home consumption or warehoused or transhipped in accordance with the provisions of the said Act and subject to the following conditions:

1. Custodian of goods meant for import would be required to comply with all provisions of Customs Act, 1962, more specifically the provisions of Section 45(2) of the Customs Act, 1962 as well as Rules and Regulations and instructions issued from time to time in this regard.
2. The Custodian shall be responsible for proper receipt, handling, storage, and shall be accountable for the loss of imported goods after landing and before clearance. They shall also maintain proper record of all such goods including the record of goods which are cleared with the permission of the Customs Department or disposed of under Section 48 or otherwise.
3. If any imported goods are pilfered or lost after unloading in the Customs area while in the custody of the custodian, then in terms of provisions of Section 45(3) of Customs Act, 1962, shall be liable to pay duty on such pilfered goods.
4. The imported goods, which are not cleared for home consumption or warehousing or transshipment within 30 days of unloading thereof or within such further time period as the proper officer may allow; or the imported goods, to which the importer relinquishes his title as provided in Section 23(2) of the Customs Act, 1962, such goods shall not be sold under the provisions of Section 48 of the Customs Act, 1962, by the custodian without obtaining permission from the proper officer of Customs.
5. The Custodian shall provide safe, secure and spacious place for loading/unloading/storing of the cargo.

6. The Custodian shall provide sufficient modern handling equipment in operational condition for handling the cargo in the notified area.
7. Alteration of the plan in the Customs area shall be made without the concurrence of the Commissioner of Customs, Cochin.
8. Security of the Customs area shall be the responsibility of the custodian subject to the prior approval from the Commissioner of Customs of the arrangements. The cost of security has to be borne by the custodian.
9. The Custodian shall provide the furnished Office space for the Customs Department at place of clearance, whenever required.
10. The Custodian shall not charge any rent/demurrage on the goods detained by the Customs Department under the Customs Act or any other Act for the time being in force. However, the Customs Department shall pay the rent to the custodian after the ownership of the goods vests in the Government after confiscation. The rate of rent for such goods shall be fixed by the Commissioner in consultation with CPWD or local Revenue or Rent Control Authorities.
11. In case the custodian wants to sublet any of the functions inside the Customs area or connected with the Customs area, the same should be done with prior approval of the Commissioner of Customs and the custodian shall remain responsible for the omissions and commissions of the said agency.
12. Duration of the appointment shall initially remain for 5 years and subject to the satisfaction of the Commissioner of Customs. Commissioner of Customs shall have the right to terminate the appointment at any time after assigning specific reasons and giving an opportunity for the custodian to explain his case. The appointment shall be reviewed after every 5 years thereafter.

[F.No. S. 25/187/2005-I & B-Cus.]

P. AYYAM PERUMAL, Commissioner